छात्र-जीवन में अनुशासन

अनुशासन सफलता की कुंजी है। छात्र-जीवन में तो अनुशासन का बहुत ही महत्व है। छात्र-जीवन व्यक्ति के जीवन का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। यह छात्रों का सर्वश्रेष्ठ समय होता है। छात्र-जीवन में जो छात्र अनुशासन में रहकर नियमों का पालन करते हैं, वे उन्नति के रास्ते पर बढ़ते चले जाते हैं। अनुशासनहीन छात्र दुखी रहते हैं तथा अवनति की ओर बढ़ते चले जाते हैं। छात्रों को परिश्रमी, कर्मठ, ईमानदार, समय का पालन करने वाला बनाने के लिए उन्हें अनुशासित बनाना अति आवश्यक है। अनुशासन से छात्रों में एकाग्रचित्तता आती है। उनमें अच्छे

गुणों का विकास होता है। इससे उन्हें शिक्षा ग्रहण करने पर सफलता मिलती है। अनुशासित और सफल छात्र से देश भी उन्नति और विकास के रास्ते पर बढ़ता चला जाता है। अतः अनुशासन सफलता की सीढ़ी है।

महात्मा गांधी

महात्मा गांधी अपने अतुल्य योगदान के लिये ज्यादातर "**राष्ट्रपिता और बापू**" के नाम से जाने जाते है। वे एक ऐसे महापुरुष थे जो अहिंसा और सामाजिक एकता पर विश्वास करते थे। उन्होंने भारत में ग्रामीण भागो के सामाजिक विकास के लिये आवाज़ उठाई थी, उन्होंने भारतीयों को स्वदेशी वस्तुओ के उपयोग के लिये प्रेरित किया और बहोत से सामाजिक मुद्दों पर भी उन्होंने ब्रिटिशो के खिलाफ आवाज़ उठायी। वे भारतीय संस्कृति से अछूत और भेदभाव की परंपरा को नष्ट करना चाहते थे। बाद में वे भारतीय स्वतंत्रता अभियान में शामिल होकर संघर्ष करने लगे।

भारतीय इतिहास में वे एक ऐसे महापुरुष थे जिन्होंने भारतीयों की आज़ादी के सपने को सच्चाई में बदला था। आज भी लोग उन्हें उनके महान और अतुल्य कार्यो के लिये याद करते है। आज भी लोगो को उनके जीवन की मिसाल दी जाती है। वे जन्म से ही सत्य और अहिंसावादी नही थे बल्कि उन्होंने अपने आप को अहिंसावादी बनाया था।

मेरा देश : भारत

हमारा देश भारत है। जहाँ लगभग 1 अरब से भी ज्यादा लोग रहते हैं। विश्व में चीन के बाद हमारे देश की जनसंख्या का दूसरा स्थान है। आज विश्व का हर सातवां व्यक्ति भारतीय है। भारत की सीमा तीन ओर से समुद्र से घिरी है, एक ओर हिमालय है, तो एक ओर पाकिस्तान है।

भारत एक महान विसद अद्‌भूत देश है। विश्व के सभी प्रमुख धर्मों के लोग यहां रहते हैं। हिन्दू, बौद्ध, जैन, सिक्ख आदि धर्मों का तो यहीं जन्म हुआ है। अनेकता में एकता, भारत का विलक्षण उदाहरण है। उत्तर में कश्मीर से दक्षिण में कन्याकुमारी तक और पश्चिम में गुजरात से पूर्व में असम तक भारत की सीमा है। उत्तर में पर्वतराज हिमालय शान से खड़ा है। इसकी चोटियां विश्व की सबसे ऊँची चोटियाँ हैं। ये सदा हिम से अलंकृत रहती हैं। इसके नीचे विशाल सागर हैं। इसके अंदर महान नदियों का विस्तृत जाल है। यहाँ सभी तरह की जलवायु पायी जाती हैं।

भारत में सभी धर्म के लोग आपस में मिलजुल कर रहते हैं और सभी त्यौहार एक साथ मनाते हैं। यहां सभी लोग चाहे किसी भी धर्म या प्रदेश या जाति के हों, वे मिल कर रहते है।

भारत का इतिहास भी बड़ा प्राचीन है। सिंधु घाटी की सभ्यता और रामायण काल से लेकर अब तक हजारों वर्षों का इसका इतिहास है। प्राचीन काल में यह सोने की चिड़िया कहलाता था। आज यह प्रगति की राह पर आगे बढ़ रहा है। भारत में अनेक महान विभूतियों का जन्म हुआ है। प्राचीन समय में गौतम बुद्ध, राम, कृष्ण, महावीर हुये तो वर्तमान में महात्मा गांधी। इन्होंने देश की जनता का आदर, सम्मान किया और सदैव विकास की राह पर चलने का उपदेश दिया।

भारत आज महाशक्ति के रूप में जाना जाता है। हमें अपने देश, उसकी सभ्यता पर गर्व है।